खबर संक्षेप

पिता की शहादत के 45 दिनों में बेटे को मिली वर्दी

शहडोल। कर्तव्य पथ पर प्राण न्योछावर करने वाले आरक्षक के परिवार को न्याय दिलाने के मामले में शहडोल पुलिस ने नजीर पेश की है। पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव ने संवेदनशीलता और तत्परता दिखाते हुए दिवंगत आरक्षक स्व. महेश प्रसाद पाठक के पुत्र सचिन पाठक को अनुकंपा नियुक्ति का नियुक्ति पत्र सौंपकर पुलिस परिवार का हिस्सा बनाया।

अंतिम सांस तक निभाई डियूटी
उल्लेखनीय है कि कोतवाली में पदस्थ आरक्षक महेश प्रसाद पाठक की 7 दिसंबर 2025 को बस स्टैंड शहडोल में ड्यूटी के दौरान असामयिक मृत्यु हो गई थी। विभाग ने लालफीताशाही को किनारे रखते हुए महज 45 दिनों के भीतर प्रक्रिया पूरी कर मृतक के वारिस को आरक्षक पद पर नियुक्त किया है। कप्तान ने कहा कि नौकरी केवल पद नहीं, मां की सेवा का जरिया है, नियुक्ति पत्र सौंपते समय एसपी रामजी श्रीवास्तव के तेवर सख्त और नसीहत भरे रहे। उन्होंने नवनियुक्त आरक्षक सचिन पाठक को कड़े शब्दों में हिदायत दी कि अनुकंपा नियुक्ति केवल एक सरकारी नौकरी नहीं, बल्कि परिवार के जीविकोपार्जन का सहारा है। मां की आजीवन सेवा ही प्राथमिकता होनी चाहिए, किसी भी प्रकार की उपेक्षा बर्दाश्त नहीं की जाएगी। किसी के बहकावे में न आएं और वर्दी की गरिमा बनाए रखते हुए गलत कार्यों से दूर रहें। अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी ईमानदारी, निष्ठा और कर्तव्यनिष्ठा के साथ करें। इस गरिमामयी अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक दीवान एवं थाना प्रभारी राघवेंद्र तिवारी भी उपस्थित रहे। पुलिस विभाग की इस त्वरित कार्यवाही की शहर में सराहना हो रही है।

रेलवे डिपो में खूनी तांडव करने वाला गिरफ्तार

शहडोल। सरकारी दफ्तरों में घुसकर कर्मचारियों पर जानलेवा हमला करने वाले दुस्साहसी अपराधियों के खिलाफ कोतवाली पुलिस ने बड़ी सर्जिकल स्ट्राइक की है। रेलवे इंजीनियरिंग डिपो में घुसकर ड्यूटी पर तैनात एक निहत्थे कर्मचारी पर चाकू से हमला करने वाले मुख्य आरोपी को पुलिस ने धर दबोचा है। इस गिरफ्तारी ने स्पष्ट कर दिया है कि शहडोल में कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों का ठिकाना अब सलाखें ही हैं।

आधी रात को मौत बनकर आए थे हमलावर- घटना 16 जनवरी 2026 की है, जब रेलवे डिपो में पदस्थ 57 वर्षीय प्रहलाद शर्मा अपनी रात्रि ड्यूटी निभा रहे थे। रात के सन्नाटे में करीब 2:30 बजे दो हेलमेटधारी अपराधी डिपो परिसर में घुसपैठ करते हैं। जब फर्ज के पक्के कर्मचारी ने उनसे पूछताछ की, तो आरोपियों ने हैवानियत की सारी हदें पार कर दीं।

आंखों में धूल और हाथ में खंजर- हमलावरों ने पहले कर्मचारी के साथ गाली-गलौज की, फिर उन्हें जमीन पर पटककर उनकी आंखों में धूल झोंक दी ताकि वे कुछ देख न सकें। इसके बाद बेरहमी से लात-घूसों की बारिश कर दी। इतने से भी जब मन नहीं भरा, तो एक हमलावर ने चाकू निकालकर प्रहलाद शर्मा के दोनों हाथों पर ताबड़तोड़ वार किए, जिससे वे लहूलुहान हो गए। कर्मचारी के शोर मचाने पर अपराधी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए थे।

4 दिन में सलाखों के पीछे शुभम- मामले की गंभीरता को देखते हुए कोतवाली पुलिस ने तत्काल घेराबंदी शुरू की। तकनीकी साक्ष्यों और हुलिए के आधार पर 20 जनवरी 2026 को पुलिस ने मुख्य आरोपी शुभम कुमार सोनी उम्र 25 वर्ष निवासी शुभम पैलेस को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपी को न्यायालय में पेश कर दिया गया है, जबकि इस जघन्य कृत्य में शामिल अन्य फरार आरोपियों की तलाश में पुलिस की टीमें दबिश दे रही हैं।

बंधा बाजार के पास दर्दनाक सड़क हादसा

शहडोल। जिले के जयसिंहनगर थाना अंतर्गत बंधा बाजार के पास रविवार शाम करीब 7 बजे सड़क हादसे में स्कूटी सवार युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया और मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान करन सिंह गोंड़ पिता सूर्यभान सिंह, उम्र 24 वर्ष, निवासी देवरी, थाना जयसिंहनगर के रूप में हुई है।

शहडोल वन विभाग ने सिवनी में घुसकर दबोचा

तेंदुए की खाल के साथ पटवारी गिरफ्तार

शहडोल।

वन्यजीवों के खून से हाथ रंगने वाले तस्करों के खिलाफ शहडोल वन विभाग ने अब तक की सबसे सर्जिकल स्ट्राइक को अंजाम दिया है। विभाग की विशेष टीम ने जिला-सीमा की बाधाओं को लांघते हुए सिवनी जिले में दबिश देकर एक बड़े शिकार रैकेट का पर्दाफाश किया है। इस कार्रवाई की सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि बेजुबान वन्यजीवों की खाल का सौदा करने वाला मुख्य आरोपी कोई साधारण अपराधी नहीं, बल्कि व्यवस्था का एक अंग पटवारी निकला।

आधी रात को फिल्मी स्टाइल में घेराबंदी

वन संरक्षक महेंद्र प्रताप सिंह और डीएफओ श्रद्धा पन्द्रे के निर्देशन में गठित दक्षिण वनमंडल की स्ट्राइक फोर्स को गुप्त सूचना मिली थी कि अक्टूबर 2025 के एक पुराने शिकार मामले के तार सिवनी से जुड़े हैं। 19 जनवरी की रात टीम ने सिवनी के ग्राम देवघाट (मझगवां) में जाल बिछाया। जैसे ही टीम मौके पर पहुंची, तस्करों में हडक़ंप मच गया। एक संदिग्ध कार अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रही, लेकिन स्कूटी पर सवार दो शिकारियों को वन विभाग के जांबाजों ने जमीन पर पटक कर दबोच लिया।

बैग खोलते ही उड़े होश

जब पकड़े गए व्यक्तियों की तलाशी ली गई, तो अधिकारियों की आंखें फटी रह गईं। आरोपी रीझन लाल मरकाम उम्र 54 वर्ष जो सिवनी में पटवारी के पद पर पदस्थ है, उसके बैग से एक वयस्क तेंदुए की खाल बरामद हुई। कलम थामने वाले हाथ जब बेजुबान जानवरों की खाल उधेडऩे लगें, तो समझा जा सकता है कि तस्करी का जाल कितना गहरा है। पटवारी के साथ उसका सहयोगी रमाकांत दुबे उम्र 35 वर्ष निवासी जबलपुर भी गिरफ्तार किया गया है।

रसूखदारों के सिंडिकेट पर बड़ी चोट

यह गिरफ्तारी केवल एक जब्ती नहीं है, बल्कि उस सिंडिकेट के चेहरे से नकाब उतारने की शुरुआत है जो जंगलों को खोखला कर रहे हैं। मौके से एक स्कूटी जप्त की गई है, जबकि फरार हुई कार और उसमें सवार अन्य आरोपियों की तलाश में वन विभाग की टीमें कई जिलों में छापे मार रही हैं। वन विभाग ने स्पष्ट कर दिया है कि अपराधी चाहे कितना भी रसूखदार क्यों न हो, उसे पाताल से भी ढूंढ निकाला जाएगा।

इन जांबाजों ने दिखाया दम

अंतरराज्यीय स्तर पर छापामार कार्रवाई को सफल बनाने में उपवनक्षेत्र अधिकारी श्रीप्रकाश शुक्ला, कमला प्रसाद वर्मा, वनपाल राजेश निगम और वनरक्षक अभिनय गौतम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। टीम ने न केवल आरोपियों को गिरफ्तार किया, बल्कि तेंदुए की खाल को सुरक्षित जप्त कर काहानी वनपरिक्षेत्र कैंपस पहुंचाया।

रक्षक ही बन गए भक्षक

एक सरकारी कर्मचारी (पटवारी) का वन्यजीव तस्करी में सीधे तौर पर शामिल होना शासन और प्रशासन के लिए खतरे की घंटी है। क्या यह पटवारी केवल एक मोहरा है या इस काले कारोबार का मास्टरमाइंड है। वन विभाग अब इस मामले को वाइल्डलाइफ प्रोटेक्शन एक्ट की सबसे कड़ी धाराओं के तहत कोर्ट ले जाने की तैयारी में है।

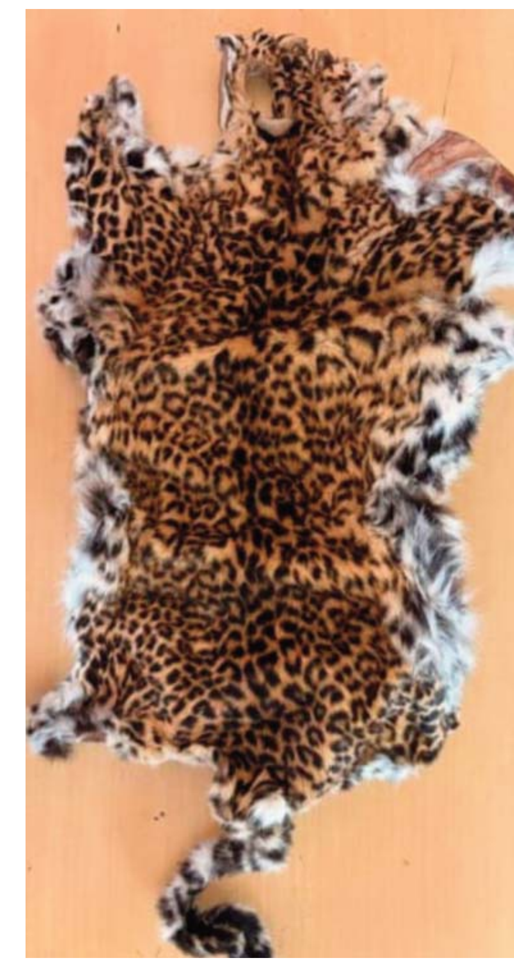

रेलवे में क्रांतिकारी बदलाव का बिगुल

निजीकरण और शोषण के खिलाफ कसी कमर

शहडोल।

भारतीय रेलवे के निजीकरण की आहट और श्रमिकों के अधिकारों पर बढ़ते खतरों के बीच दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मजदूर संघ ने अपनी वैचारिक धार तेज कर दी है। रायपुर के समता कॉलोनी स्थित महाराष्ट्र मंडल में आयोजित दो दिवसीय आवासीय अभ्यास वर्ग महज एक प्रशिक्षण कार्यक्रम नहीं, बल्कि आने वाले समय में रेल गलियारों में होने वाले बड़े आंदोलनों की पूर्वपीठिका साबित हुआ।

सत्ता और प्रबंधन को सीधी चुनौती

भारतीय रेलवे मजदूर संघ के आह्वान पर आयोजित इस वर्ग में बिलासपुर, रायपुर और नागपुर मंडल के 62 से अधिक कद्दावर जुझारू कार्यकर्ताओं ने हुंकार भरी। कार्यक्रम की अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष कमलेश सिंह ने की। संघ ने स्पष्ट कर दिया कि रेलवे की कार्यकुशलता और कर्मचारियों के हितों के साथ समझौता किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

श्रम कानूनों पर मंथन, अधिकारों की जंग

प्रशिक्षण सत्रों में नए श्रम संहिता और दंडात्मक नियमों की बारीकियों पर आक्रामक चर्चा हुई। संगठन महामंत्री बी. सुरेंद्रन और रेल प्रभारी अशोक शुक्ला ने कार्यकर्ताओं को मंत्र दिया कि संगठन ही शक्ति है। वित्तीय प्रबंधन और संगठनात्मक ढांचे को मजबूत कर रेलवे की रीढ़ यानी कर्मचारी को ढाल बनाने की रणनीति तैयार की गई। राष्ट्रीय महामंत्री संतोष पटेल ने दो टूक कहा कि रेलवे का इतिहास संघर्षों का रहा है और भविष्य भी हमारे पसीने की सुरक्षा से तय होगा।

महिला समूह के पैसों पर अध्यक्ष का डाका

बीजेपी नेता के रसूख के दम पर आदिवासियों का शोषण

शहडोल। मध्य प्रदेश में सरकार एक तरफ नारी शक्ति और महिला सशक्तिकरण के बड़े-बड़े दावे कर रही है, वहीं दूसरी ओर जिले में गंगा स्वसहायता समूह ग्राम बुधसार की गरीब आदिवासी महिलाओं के साथ जो हो रहा है, वह व्यवस्था के मुंह पर करारा तमाचा है। समूह की अध्यक्ष मालती गुप्ता पर बैंक खाते से लाखों की हेराफेरी, जालसाजी और डराने-धमकाने के संगीन आरोप लगे हैं। हैरानी की बात यह है कि इस पूरे खेल में एक भाजपा मंडल अध्यक्ष के नाम का उपयोग कर गरीब महिलाओं को जेल भेजने की धमकी दी जा रही है।

3.80 लाख का साफ हाथ- शिकायती पत्र के अनुसार, अध्यक्ष मालती गुप्ता ने समूह के अन्य सदस्यों को अंधेरे में रखकर खाते से 3.80 लाख रुपये का आहरण कर लिया। जब सदस्यों ने अपना हक और जानकारी मांगी, तो उन्हें टका सा जवाब दे दिया गया। इतना ही नहीं, धान खरीदी केंद्र का जिम्मा भी फर्जी तरीके से, बिना किसी बैठक और बिना सदस्यों की सहमति के, जाली हस्ताक्षर कर हथिया लिया गया।

सत्ता की धौंस और जेल भेजने की धमकी- सबसे चौंकाने वाला पहलू राजनीतिक रसूख का इस्तेमाल है। आरोप है कि मालती गुप्ता, भाजपा मंडल अध्यक्ष संजय कुमार गुप्ता के साथ मिलकर धान खरीदी का काम कर रही हैं। जब सदस्यों ने बैंक खाते पर होल्ड लगवाया, तो उन्हें कथित तौर पर मंडल अध्यक्ष के नाम से धमकाया गया कि होल्ड हटवा लो वरना जेल भिजवा देंगे। एक आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सदस्य को तो नौकरी से निकलवाने तक की धमकी दी जा रही है।

अधिकारियों के सामने भी नहीं हारी हिम्मत- पीड़ित आदिवासी महिलाओं ने हार नहीं मानी है। उन्होंने कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और अन्य आला अधिकारियों को पत्र लिखकर न्याय की गुहार लगाई है। 12 जनवरी 2026 को सचिव के घर जाकर दबाव में दस्तखत करवाने और 19 जनवरी को रजिस्टर छीनने जैसी घटनाओं ने यह साफ कर दिया है कि भ्रष्टाचार की जड़ें गहरी हैं।

- दिवासियों का शोषण कब तक
गरीब आदिवासी महिलाएं, जो अपनी आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए समूह से जुड़ी थीं, आज खुद को ठगा हुआ महसूस कर रही हैं। सवाल यह है कि क्या प्रशासन इन रसूखदारों पर लगाम कसेगा, महिलाओं ने दो टूक शब्दों में मांग की है कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच हो और दोषियों को सलाखों के पीछे भेजा जाए। यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई, तो यह स्पष्ट हो जाएगा कि तंत्र केवल रसूखदारों की कठपुतली बनकर रह गया है।

संभागायुक्त ने दो बीएमओ के वेतन काटने के दिए निर्देश

शहडोल।

स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही और सरकारी निर्देशों की अनदेखी अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कमिश्नर श्रीमती सुरभि गुप्ता ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान कड़ा रुख अपनाते हुए बीएमओ बुढार और ब्यौहारी का 15-15 दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए हैं। यह कार्रवाई क्षेत्र में स्वास्थ्य प्रबंधन में बरती गई शिथिलता के कारण की गई है, जो अन्य अधिकारियों के लिए भी एक स्पष्ट चेतावनी है।

लक्ष्य से भटके तो खैर नहीं

कमिश्नर ने दो-टूक शब्दों में कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार केवल कागजों पर नहीं, धरातल पर दिखना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। यदि किसी भी स्तर पर मॉनीटरिंग में चूक हुई या गर्भवती माताओं की हाई-रिस्क स्क्रीनिंग में लापरवाही पाई गई, तो संबंधित अमले के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

मौतों का होगा ऑडिट, जवाबदेही तय

बैठक में निर्देश दिए गए कि मातृ एवं शिशु मृत्यु के हर मामले का सूक्ष्म ऑडिट कराया जाए। यदि लापरवाही सामने आती है, तो जिम्मेदार अधिकारियों को बख्शा नहीं जाएगा। कमिश्नर ने कहा कि प्रसव के 50 दिन पूर्व से ही गर्भवती महिलाओं की सघन मॉनीटरिंग सुनिश्चित की जाए।

अभाविप का फूटा गुस्सा, प्राचार्य और स्टाफ पर मिलीभगत के आरोप

शबरी कन्या परिसर या गायब होने का अड्डा?

शहडोल।

शासकीय शबरी माता कन्या परिसर कंचनपुर इन दिनों शिक्षा के मंदिर के बजाय सुरक्षा की कब्रगाह बनता जा रहा है। विद्यालय परिसर से एक के बाद एक दो छात्राओं के रहस्यमयी तरीके से लापता होने की घटना ने पूरे जिले को झकझोर कर रख दिया है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने इस मामले को लेकर सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग को ज्ञापन सौंपते हुए विद्यालय प्रबंधन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

छात्राओं की सुरक्षा से खिलवाड़

अभाविप जिला संयोजक अमन त्रिपाठी ने तीखे लहजे में कहा कि आवासीय परिसर की चाक-चौबंद सुरक्षा के दावों की पोल खुल चुकी है। पहली घटना 28 दिसंबर 2025 की है, जब कक्षा 10 वीं की एक छात्रा परिसर से गायब हो गई। प्रबंधन गहरी नींद में सोया रहा और

नतीजा यह हुआ कि 8 जनवरी 2026 को एक और छात्रा लापता हो गई। सवाल यह है कि कड़े पहरे वाले आवासीय विद्यालय से बिना कर्मचारियों की मिलीभगत के कोई परिंदा भी पर नहीं मार सकता, तो फिर बेटियां कहाँ जा रही हैं?

मिलीभगत की बू

परिषद के प्रतिनिधिमंडल ने आरोप लगाया कि दोनों घटनाओं के बाद भी प्राचार्य द्वारा कोई ठोस कदम न उठाना उनकी संलिप्तता की पुष्टि करता है। अभाविप का स्पष्ट कहना है कि बिना आंतरिक सहायता के छात्राओं का बाहर जाना असंभव है। क्या विद्यालय के जिम्मेदार लोग ही छात्राओं को संकट में धकेल रहे हैं? इस गंभीर चूक के लिए केवल लापरवाही नहीं, बल्कि आपराधिक षड्यंत्र के तहत जांच होनी चाहिए।

स्टाफ बदलने की मांग

अंजली पांडे, भूमिका द्विवेदी और आकाश मिश्रा सहित दर्जनों कार्यकर्ताओं ने दो टूक चेतावनी दी है कि यदि कंचनपुर परिसर के प्राचार्य और लापरवाह कर्मचारियों को तत्काल नहीं हटाया गया, तो परिषद उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगी। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई है कि पूरे स्टाफ का आमूल-चूल परिवर्तन कर सुरक्षा व्यवस्था नए सिरे से बहाल की जाए। अब देखना यह है कि प्रशासन छात्राओं की सुरक्षित वापसी और दोषियों को सलाखों के पीछे भेजने में कितनी तत्परता दिखाता है, या फिर किसी और अनहोनी का इंतजार किया जा रहा है।

पेंशनर्स का सम्मान और समस्याओं का ऑन द स्पॉट समाधान

शहडोल। वरिष्ठ नागरिकों के प्रति संवेदनशीलता और सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण पेश करते हुए भारतीय स्टेट बैंक की मुख्य शाखा पांडव नगर में नववर्ष मिलन एवं पेंशनर सम्मान समारोह का ऐतिहासिक आयोजन किया गया। यह शहडोल के इतिहास में पहली बार है जब बैंक प्रबंधन ने सीधे पेंशनर्स के बीच पहुँचकर न केवल उन्हें सम्मानित किया, बल्कि उनकी समस्याओं का मौके पर ही अंत किया।

सम्मान के साथ समाधान की गूंज- कार्यक्रम में मुख्य प्रबंधक धीरज कुमार ने कड़ा और स्पष्ट संदेश दिया कि वरिष्ठ नागरिक बैंक की प्राथमिकता हैं। बैठक के दौरान जब पेंशनर्स ने अपनी परेशानियाँ रखीं, तो प्रबंधक ने त्वरित निर्णय लेते हुए मौके पर ही समस्याओं का निराकरण कर दिया, जिससे पूरा हॉल तालियों की गडगड़ाहट से गूंज उठा।

नई योजनाओं की सौगात और हेल्थ कार्ड का वादा- बैंक अधिकारियों ने पेंशनर्स और उनके बच्चों के लिए भविष्य की सुरक्षा से जुड़ी नवीन योजनाओं की जानकारी दी। सहायक प्रबंधक पुष्पेंद्र पांडेय और पीयूष शुक्ला ने बैंक के नए उत्पादों पर प्रकाश डाला। इतना ही नहीं, बैंक ने घोषणा की है कि जल्द ही वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर भी लगाया जाएगा।

42 पेंशनर्स हुए सम्मानित- एसबीआई प्रबंधन द्वारा प्रांतीय और जिला स्तर के पदाधिकारियों सहित कुल 42 पेंशनर्स को डायरी और कैलेंडर भेंटकर सम्मानित किया गया। वरिष्ठ नागरिक पेंशनर एसोसिएशन के अध्यक्ष आर.एल. तिवारी सहित अन्य पदाधिकारियों ने बैंक के इस सहयोगात्मक और अभिनव रवैये की मुक्तकंठ से सराहना की। इस गरिमामयी आयोजन ने बैंक और उपभोक्ताओं के बीच अटूट विश्वास की एक नई इबारत लिख दी है।

खबर संक्षेप

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर शासकीय अधिकारियों, कर्मचारियों को दिलाई जाएगी शपथ

उमरिया। भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मप्र भोपाल के निर्देशानुसार राष्ट्रीय मतदाता दिवस प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 25 जनवरी को 16वाँ मतदाता दिवस मनाया जाएगा । इस वर्ष मतदाता दिवस की थीम मेरा भारत मेरा वोट है । भारत निर्वाचन आयोग द्वारा स्टेट गवर्नमेंट डिपार्टमेंट/ पीएसयू के सभी स्टॉफ और ऑफिसर और स्टेट के ऑफिसर 25 जनवरी 2026 (रविवार) या 23 जनवरी, 2026 (शुक्रवार) को (उन स्टेट्स /यूटीस) में जहां 24 और 25 जनवरी को नॉन-वर्किंग डे है) सुबह करीब 11 बजे या दिन में किसी भी सही समय पर शपथ लिये जाने के निर्देश दिये गये हैं। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी धरणेन्द्र कुमार जैन ने कहा है कि आयोग के निर्देशानुसार 25 जनवरी 2026 को 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर समस्त शासकीय अधिकारियों/ कर्मचारियों को मतदाता शपथ 23 जनवरी, 2026 (शुक्रवार) सुबह प्रातः 11रू00 बजे दिलवाना सुनिश्चित करें।

28 जनवरी को जिला कौशल समिति की बैठक

उमरिया। जिले में कौशल विकास की विभिन्न योजनाओं में आवंटित लक्ष्य की प्राप्ति हेतु योजनाओ की मानीटरिंग हेतु जिला कौशल समिति की बैठक 28 जनवरी को टीएल बैठक पश्चात आहूत की गई है । बैठक में सर्व संबंधितों से उपस्थिति की अपेक्षा की गई है ।

निःशुल्क जन्मजात हृदय रोग जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। कलेक्टर हर्षल पंचोली के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत सहयोगी संस्था नारायणा हृदयालय लिमिटेड, मुंबई के संयुक्त तत्वावधान में जिला चिकित्सालय अनूपपुर के नए भवन के कमरा क्रमांक-9 में 28 जनवरी को प्रातः 10:00 बजे से विशेष निःशुल्क जन्मजात हृदय रोग जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया जाएगा। उक्ताशय की जानकारी देते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अलका तिवारी ने बताया है कि यह शिविर विशेष रूप से उन 0 से 18 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए आयोजित किया जाएगा जो जन्मजात हृदय रोग से ग्रसित हैं तथा अब तक उपचार से वंचित रहे हैं। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा जांच उपरांत पात्र बच्चों को मुख्यमंत्री बाल हृदय योजना के अंतर्गत निःशुल्क उपचार/सर्जरी हेतु चयनित किया जाएगा। शिविर का लाभ उठाने हेतु बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र, बच्चे एवं माता-पिता का आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, समग्र आईडी, राशन कार्ड की प्रति, निवास प्रमाण पत्र एवं आय प्रमाण पत्र, पासपोर्ट साइज फोटो (03 प्रति), रेफरल कार्ड, 28 जनवरी को जारी जिला चिकित्सालय की पर्ची सहित पूर्व जांच एवं उपचार से संबंधित उपलब्ध दस्तावेज होना चाहिए।

मॉडल रोड पर खड़े हो रहे वाहनों के विरुद्ध अभियान चलाकर कार्यवाही किए जाने की मांग

कोतमा। नगर में शासन के द्वारा नगर के सौंदर्य करण को लेकर मॉडल रोड सड़क का निर्माण कार्य करवाया गया है लेकिन वर्तमान में मॉडल रोड सड़क पूरी तरह पार्किंग स्थल बनकर रह गई है व्यापारियों एवं दुकानदारों के द्वारा सड़क पर ही वाहन खड़े करवा दिए जाते हैं जिसके कारण सड़क सकरी हो जाती है और प्रतिदिन जाम की समस्या निर्मित हो रही है। सबसे ज्यादा परेशानी बस स्टैंड से केशवाही तिराहे तक देखने को मिलती है जहां पर मोटर पार्ट्स एवं गैरेज संचालकों के द्वारा सड़क पर ही वाहनों को खड़ा करवाते हुए मरम्मत का कार्य करते हैं इतना ही नहीं व्यापारियों के द्वारा सड़क पर ही छोटे एवं बड़े वाहनों को खडा करवाते हुए समान चढ़ाने एवं उतारने का का कार्य करवाया जाता है जिससे अब आम जन काफी परेशान हो गए हैं नागरिकों ने यातायात विभाग से मॉडल रोड सड़क पर खड़े हो रहे वाहनों के विरुद्ध अभियान चलाकर कार्यवाही किए जाने की मांग की है।

दूसरे सेमीफाइनल में नागपुर ने दिल्ली को दी मात

पहले सेमीफाइनल में बिलासपुर ने शहडोल को किया पराजित

एकतरफा मुकाबले में आठ विकटों की जीत के साथ फाइनल में

बुढार। नगर के स्व. कुशाभाऊ ठाकरे स्टेडियम में खेली जा रही अखिल भारतीय विधायक गोल्ड कप क्रिकेट प्रतियोगिता का दूसरा सेमीफाइनल नागपुर और लालबहादुर शास्त्री क्रिकेट अकादमी दिल्ली के बीच खेला गया, एक तरफा हुए इस मुकाबले में नागपुर की टीम ने दिल्ली की टीम को मात दे कर प्रतियोगिता के फाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित कर ली।

टॉस के दौरान ये रहे उपस्थित

आज के मैच में टॉस के दौरान अतिथियों के तौर पर नगर निरीक्षक अमलाई जयप्रकाश शर्मा ,विद्युत विभाग के अभियंता विकास गुप्ता , दौलत मनवानी , प्रकाश कृष्णानी,जयदीप पाल दीपक मांझी रहे जिन्होंने खिलाडियों से परिचय प्राप्त किया एवं टॉस की औपचारिकताएं पूरी की।

टॉस जीतकर नागपुर ने चुनी गेंदबाजी

मैच का टॉस नागपुर ने जीता और पिच का मिजाज भांपते हुए नागपुर के कप्तान ने पहले गेंदबाजी का फैसला किया , नागपुर का यह फैसला तब प्रभावी दिखा जब शुरुआती ओवरों में ही नागपुर के गेंदबाजों ने शुरुआती ओवरों से ही दिल्ली के विकेट चटकाने शुरू कर दिए और यह सिलसिला पूरी दिल्ली की पारी के दौरान जारी रहा नतीजन दिल्ली की टीम पूरे 20 ओवर भी नहीं खेल पाई और 19.2 ओवरों में 111 रनों पर सिमट गई ,दिल्ली की ओर से केवल सुमित चिकारा और कामरान अली ही कुछ समय के लिए विकेट पर टिक सके , चिकारा ने अपनी टीम के लिए 27 और कामरान अली ने 21 रन बनाए , नागपुर की ओर से किफायती गेंदबाजी करते हुए कुणाल नागर और प्रभकीरत सिंह ने 2-2 विकेट लिए।

नागपुर की विस्फोटक शुरुआत

112 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नागपुर की टीम के प्रारंभिक बल्लेबाजों ने अपनी टीम के लिए शानदार शुरुआत करते हुए अपनी टीम को बेहतरीन शुरुआत दी , प्रारंभिक ओवरों में दोनों बल्लेबाजों ने पावर प्ले का जमकर फायदा उठाया , दोनों सलामी बल्लेबाजों की शानदार बल्लेबाजी के दम पर लक्ष्य को बारहवें ओवर में हासिल कर लिया , प्रारंभिक बल्लेबाज राठी ने 40 और आकिब खान ने 34 रन बनाए , सलामी बल्लेबाजों के इस शानदार बल्लेबाजी के दम पर नागपुर की टीम ने यह मैच 8 विकटों से जीत कर फाइनल में प्रवेश कर लिया। नागपुर टीम की ओर से शानदार बल्लेबाजी करने वाले राठी और आकिब खान को संयुक्त रूप से मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया , जिन्हे ग्राम ख़ैरहा के उपसरपंच अख्तर रजा और इरशाद अहमद ने पुरस्कृत किया।

ये रहे टीमों के प्रायोजक

टूर्नामेंट में आज नागपुर टीम के प्रायोजक दीपक मांझी और पवन चीनी रहे जबकि दिल्ली टीम के प्रायोजक अशोक चतुर्वेदी और जितेंद्र सिंह जित्तू रहे। मैच में अंपायरिंग आनंद त्रिपाठी और राकेश त्रिपाठी ने की , जबकि मैच का आंखों देखा हाल कलाम मोहम्मद , अजय द्विवेदी और सुधीर शर्मा ने सुनाया। मैच के स्कोरिंग का दायित्व मो. याहया एवं राहुल दुबे ने संभाला । पिच क्यूरेटिंग का जिम्मा अमृतांशु मिश्रा और साहिल ताम्रकार ने संभाला।

ये हैं आयोजन समिति के सदस्य

इस पूरे आयोजन समिति के प्रमुख बुढार के पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष कैलाश विशनानी तथा सदस्यों के रूप में अनिल सोनी , श्रीनिवास द्विवेदी, पवन नियर्सेस, अवधेश पांडे (पिंटू) , राजीव त्रिपाठी , राकेश त्रिपाठी , महेंद्र त्रिपाठी , योगेंद्र सिंह इत्यादि प्रमुख हैं ।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में सुनी 69 आवेदकों की समस्याएं

उमरिया। साप्ताहिक जनसुनवाई में कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने जिले के दूर दराज से आए 69 आवेदको की समस्याओं को सुना तथा आवेदनो को संबंधित विभाग की ओर निराकरण के लिए प्रेषित किया । जनसुनवाई में रामदास बैगा ग्राम रौगढ ने पीएम किसान सम्मान निधि स्वीकृत कर लाभ दिलाने, नारेन्द्र प्रताप सिंह ग्राम धौरखोह ने सक्षम अधिकारी के समक्ष सीमांकन कराने, भागवती कुशवाहा चंदिया ने पीएम आवास योजना का लाभ दिलाने, मनोज तिवारी बकेली ने शारदा स्व सहायता समूह को मध्यान्ह भोजन का काम दिलाने, लोली गडारी उमरिया बकेली ने छोटेलाल तिवारी के नाम पर जारी अंत्योदय राशन को निरस्त करने, अवनीश समदरिया पथरहठा ने शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने, उमा भारती ग्राम बावलकुंड ने जीवन यापन हेतु आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने, बुधिया बाई ग्राम पडवार ने भूमि का पट्टा दिलाने, कल्लू यादव धनवाही ने आराजी पर बन रहे रोड निर्माण पर रोक लगाने, सुशील चंद रैदास पार्षद वार्ड क्रमांक 3 ने नाली निर्माण कराने, शिवचरण गुप्ता, ग्राम भुंडी ने सोयाबीन का मुआवजा राशि दिलाने संबंधी आवेदन किया । जनसुनवाई मे अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता,डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज, तहसीलदार दिलीप सोनी सहित जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे ।

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस 15 मार्च को मनाया जाएगा

उमरिया। जिला आपूर्ति अधिकारी ने बताया कि उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 में निहित उद्देश्य अनुसार उपभोक्ताओं को उपभोक्ता संरक्षण के क्षेत्र में जागरूक करने की मंशा से प्रतिवर्ष अनुसार 15 मार्च को 'विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस' का आयोजन किया जाएगा । इस अवसर पर उल्लेखनीय कार्य करने वाले स्वैच्छिक उपभोक्ता संगठनों/व्यक्तिओं एवं छात्र छात्राओं को प्रोत्साहित करने हेतु पुरस्कार योजनांर्गत उत्कृष्ट प्रविष्टियों का चयन किया जाकर राज्य/संभाग स्तरीय पुरस्कार निम्नानुसार प्रदान किया जावेगा।

उन्होने बताया कि उपभोक्ता संरक्षण के क्षेत्र मे उत्कृष्ट कार्य करने वाले संस्था/व्यक्तियों को राज्य स्तरीय पुरस्कार दिया जावेगा जिसमें प्रथम पुरस्कार मय प्रशस्ति पत्र रूपये 1,11,000, द्वितिय पुरस्कार मय प्रशस्ति पत्र रूपये 51,000 तथा तृतीय पुरस्कार मय प्रशस्ति पत्र रूपये 25,000 दिया जाएगा । उन्होने बताया कि स्वैच्छिक उपभोक्ता संरगठन/व्यक्ति जो विशेष रूप से उपभोक्त हित संरक्षण एवं संवर्धन में संलग्न हो।आवेदक संगठन,व्यक्ति द्वारा एक प्रति में आवेदन के मुख्य पृष्ठ पर 'राज्य स्तरीय पुरस्कार वर्ष 2025-26 हेतु' सुस्पष्ट रूप से लिखकर जिला कलेक्टर/जिला आपूर्ति अधिकारी को संबोधित कर कार्यालय कलेक्टर (खाद्य-शाखा) जिला उमरिया (म.प्र.) में 31 जनवरी 2026 तक प्रस्तुत करना होगा । विलम्ब से प्रस्तुत आवेदन स्वीकार नहीं किये जायेंगे। संगठन/व्यक्ति द्वारा उपभोक्ता संरक्षण के क्षेत्र में वर्ष 2025 (1 जनवरी 2025 से 31 दिसम्बरर 2025) के दौरान प्रत्येक माह में की गई गतिविधियों की सप्रमाण विस्तृत विवरण रिपोर्ट संलग्न करना होगा । उक्त के संबंध मे 1 जनवरी 2025 से पूर्व में किए गए कार्यों के प्रमाण इस वर्ष के पुरस्कार हेतु अमान्य होंगें अर्थात केवल 1 जनवरी 2025 से 31 दिसम्बर 2025 के प्रमाण संलग्न करें । वेदन फुल स्केप आकार के कागज पर पर्याप्त हाशिया छोडकर सुस्पष्ट टीप टंकित करा कर भेंजने होंगें । आवेदक यदि संस्था/संगठन है, तो उसे कंपनी अधिनियम 2013/ सोसाईटी पंजीकरण अधिनियम/सहकारी समिति अधिनियम या उस समय लागू किसी अन्य कानून के तहत पंजीकृत होना आवश्यक है। साथ ही ऐसी संस्था की नियमावली में उपभोक्ताह हित से संबंधित विषय का उल्लेख होना आवश्यक है। पंजीयन प्रमाण-पत्र एवं नियमावली प्रस्तुत करना होगा। दर्पण पोर्टल पर पंजीकृत होना अनिवार्य है।आवेदक यदि संगठन है तो वह गैर-राजनैतिक, गैर-मालिकाना प्रबंध के अन्तंर्गत संचालित हो।आम उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक बनाने एवं उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 के उद्देश्यों के प्रचार प्रसार हेतु किये गये कार्य ।संगठन/व्यक्ति द्वारा उपभोक्ता हित में उपभोक्ता फोरम में किये गये प्रयास । ग्रामीण/ आदिवासी/पिछडे क्षेत्रों में कार्यरत संस्थाओं / संगठनों को प्राथमिकता दी जावेगी । उपभोक्ता संरक्षण के क्षेत्र में किए गए नवाचार शामिल है ।

गांव के विकास से ही राष्ट्र का विकास संभव है: कंचन सिंह

हरिभूमि न्यूज कोतमा। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा 12 जनवरी से 26 जनवरी तक ग्राम विकास पखवाड़े के तहत ग्राम उत्सव कार्यक्रम में सेक्टर स्तरीय ग्रामोदय से अभ्युदय अभियान कार्यक्रम का आयोजन कोतमा विकासखंड के सेक्टर क्रमांक 4 की नवाकुर संस्था जीएस हितकारिणी समिति कोतमा ने स्थानीय शासकीय हाई स्कूल बैहाटोला में किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमती कंचन सिंह सरपंच बैहाटोला व अध्यक्षता काशीराम अहिरवार प्राचार्य रहे सर्वप्रथम मां वीणा की तस्वीर पर दीपक प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में श्रीमती चिंति घोरमारे प्रभारी परियोजना अधिकारी कोतमा, सरिमन साकेत विकासखंड समन्वयक कोतमा, जगदीश साहू सचिव ग्राम पंचायत बैहाटोला, सरोज सिंह एएनएम उपस्थित रही। कार्यक्रम के संदर्भ में प्रकाश डालते हुए संस्था सचिव ओंकार सिंह ने बताया कि ग्रामोदय से अभ्युदय अभियान ग्रामीण क्षेत्र के सर्वांगीण विकास पर केंद्रित है ताकि गांव आत्मनिर्भर बने और समाज के हर वर्ग का उत्थान हो। सरिमन साकेत ने अपने उद्बोधन मैं बताया कि अभियान के मुख्य उद्देश्य जैसे गरीबी उन्मूलन ग्रामीण आजीविका के सुधार, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करना, स्वच्छता और पोषण, महिला सशक्तिकरण से ही देश सशक्त होगा आप ने जन अभियान परिषद के स्थापना, उद्देश्य, और योजनाओं पर अपने विचार रखे। श्रीमती कंचन सिंह ने बताया कि गांव के विकास से ही राष्ट्र का विकास संभव है हमारे देश की आत्मा गांव में बसती है जब तक गांव विकसित नहीं होंगे तब तक देश का विकास अधूरा रहेगा। श्री अहिरवार ने बताया कि हमें केवल सरकार पर ही आश्रित नहीं रहना चाहिए बल्कि हर नागरिक की भागीदारी देश हित जरूरी है। श्रीमती चींति घोड़मरे ने बताया कि यदि हम अपने गांव को स्वच्छ रखें बच्चों को शिक्षा दिलाये जल संरक्षण करे और समाज में जागरूता फैलाएं तो निश्चित ही हमारा गांव आत्मनिर्भर बनेगा आप ने महिला बाल विकास की योजनाओं पर जानकारिया दी। जगदीश साहू ने ग्राम पंचयात की योजना पर विस्तार से प्रकाश डाला श्रीमती सरोज सिंह ने स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं की जानकारी दी। श्रीमती प्रतिभा साहू परामर्श दाता ने कार्यक्रम का संचालन किया तथा आभार महेंद्र यादव अध्यक्ष कान्हा जन कल्याण समिति नागारा बांध ने किया। राम सोनी अध्यक्ष नगर विकास प्रस्फुटन समिति कोतमा, प्रदीप सिंह सचिव ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति बैहाटोला, निर्मल सिंह अध्यक्ष, ,उमा केवट अध्यक्ष ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति पथरौड़ी, ललिता केवट सचिव ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति पैरीचुआ उपस्थित रही।

ग्रामोदय से अभ्युदय मध्यप्रदेश संगोष्ठी संपन्न

उमरिया। मप्र सरकार की उपलब्धियां को जन-जन तक पहुंचाने एवं मध्य प्रदेश सरकार की लोक हितकारी जनकल्याणकारी योजनाओं के पत्र हितग्राहीयो की सहभागिता सुनिश्चित करने तथा आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण को सकारात्मक वातावरण के सृजन के उद्देश्य से मैदानी स्तर पर प्रदेश सरकार द्वारा स्वामी विवेकानंद जयंती से 26 जनवरी तक ग्रामोदय से अभ्युदय मध्यप्रदेश अभियान चलाया जा रहा है।इसी तारतम्य में सेक्टर करकेली अंतर्गत ग्राम पठारी में नवांकुर संस्था सील फाउंडेशन द्वारा सेक्टर स्तरीय ग्रामोदय से अभ्युदय मध्यप्रदेश संगोष्ठी का आयोजन किया गया।कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर की गई। अतिथियों का स्वागत किया

गया, जिसके पश्चात सील फाउंडेशन अध्यक्ष दीपक नामदेव द्वारा बताया गया कि मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा आयोजित इस संगोष्ठी का उद्देश्य राज्य सरकार की उपलब्धियों और जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना तथा आत्मनिर्भर मध्य प्रदेश के निर्माण के लिए सकारात्मक वातावरण बनाना था। अभियान के तहत मैदानी स्तर पर पात्र हितग्राहियों की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच पठारी गोविंद प्रसाद गौतम ने की तथा कार्यक्रम में प्रस्फुटन समिति पठारी अध्यक्ष राकेश चौधरी,सचिव रामजी सिंह, सदस्य रामगरीब कोल, रामकिशोर विश्वकर्मा,धीरज बर्मन,अवनीश तिवारी, ओमप्रकाश कोल,पंच रामवती कोल सहित स्थानीय ग्रामीणजन एवं छात्र छात्रा उपस्थित रहे।

रेलवे के द्वारा क्षेत्र के साथ किया जाता है सौतेला व्यवहार

हरिभूमि न्यूज कोतमा। कहने को तो यह क्षेत्र कोयलांचल क्षेत्र होने के साथ ही आर्थिक नगरी भी कही जाती है। लेकिन रेलवे के द्वारा इस क्षेत्र के साथ सौतेला व्यवहार किया जाता है। वर्तमान में स्थिति यह है कि ना तो इस क्षेत्र को किसी प्रकार से ट्रेनों की सुविधा मिल पा रही है और ना ही रेलवे कॉलोनी में सड़क सफाई की व्यवस्था रेलवे प्रबंधन के द्वारा समुचित रूप से की जा रही है। वर्तमान में रेलवे कॉलोनी की स्थिति यह है कि सड़क की सुविधा भी नहीं मिल पा रही है। रेलवे कॉलोनी में निवास करने वाले लोग ऊबड खाबड गड्ढे युक्त सड़क से चलने को मजबूर है। जगह-जगह सड़क जर्जर हो गई है सड़क में गड्ढे हो गए हैं वर्तमान में अंडर ब्रिज की ओर जाने वाली सड़क के पहले सड़क जर्जर एवं गड्ढा युक्त हो गई है सड़क से गिट्टी बाहर निकल रही है लेकिन रेलवे प्रशासन के द्वारा सड़क मरम्मत कार्य करवाये जाने की ओर ध्यान नहीं दे रही है। जबकि इस सड़क से ही होकर यात्री ट्रेन पकड़ने के लिए ओवर बीच के लिए जाते हैं रात्रि में ऊबड़-खाबड़ एवं गड्ढा लोगों को नजर नहीं आता है जिसके कारण दुर्घटना घटित होने की आशंका बनी रहती है।

कलेक्टर से तहसील का नया भवन बनवाये जाने की मांग

हरिभूमि न्यूज कोतमा। नगर के वार्ड क्रमांक 10 में स्थित तहसील कार्यालय का भवन काफी जर्जर हालत मे है। जगह-जगह से दीवारों में दरारें आ गई है सीलिंग की पपड़ी भी उखड़ कर गिर रही है। बारिश के दिनों में तो छत से पानी टपकता है जिसके कारण कमरों में रखें रिकॉर्ड भी खराब हो जाते हैं। बताया जाता है कि लगभग 40 वर्ष पूर्व तहसील भवन का निर्माण कार्य करवाया गया था जो वर्तमान में जर्जर हालत में है। पूर्व में सीलिंग की पपड़ी उखाड़ कर कर्मचारी के सिर पर भी गिर गई थी जिसके कारण वह चोटिल भी हो गया था। बताया जाता है की तहसील अंतर्गत लगभग 153 गांव आते हैं जिनकी आबादी लगभग 2 लाख के करीब है और क्षेत्र के लोग तहसील में अपने खसरा, नक्शा, रजिस्ट्री, फौती, नामांतरण के साथ अन्य कार्य के लिए आते हैं लेकिन जगह-जगह से तहसील भवन की दीवारों में दरारें आ गई है छत टपकती है जिसके कारण पंक्षकारों के साथ ही कर्मचारियों अधिकारियों अधिवक्ताओ को हर समय डर बना रहता है की कही कोई दीवार गिर ना जाए सीलिंग टूट कर ना गिर जाए। लंबे समय से जर्जर भवन को लेकर पत्राचार विभाग के द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को किया जा रहा है। जबकि कलेक्टर के द्वारा बारिश के पूर्व यह निर्देश दिए गए थे कि जो भी शासकीय भवन जर्जर हालत में है उनकी जानकारी देते हुए ऐसे भवनों को धराशाई करवाये जाने की कार्यवाही की जाये। दो माह पूर्व तहसील के नये भवन के निमार्ण कराये जाने का प्रस्ताव एसडीएम कार्यालय से कलेक्टर के यहां भेजा गया था लेकिन अभी तक इस पर कार्यवाही नहीं की गई। नागरिकों ने कलेक्टर से तहसील का नया भवन बनवाये जाने की मांग की है।

खबर संक्षेप

ट्रक और बोलेरो में भिड़ंत, ग्रामीणों ने किया चक्काजाम

कटनी। बड़वारा थाना क्षेत्र के मझगवां गांव में गत शाम धान से लदे ट्रक और बोलेरो जीप के बीच टक्कर हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर में बोलेरो सामने से क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के तुरंत बाद बोलेरो में सवार लोग गाड़ी छोड़कर मौके से फरार हो गए। जब स्थानीय लोगों ने वाहन के पास जाकर देखा तो बोलेरो के अंदर 3 से 4 बोरी सरकारी धान लोड पाई गई। संदिग्ध अवस्था में धान मिलने और सवारों के भागने से क्षेत्र में मामला चर्चा का विषय बन गया है। घटना से आक्रोशित ट्रक चालक और स्थानीय ग्रामीणों ने सड़क पर चक्काजाम कर दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र में इस तरह का संदिग्ध परिवहन लंबे समय से चल रहा है। सड़क पर वाहनों की कतारें लगने के कारण आवागमन पूरी तरह बाधित रहा। सूचना मिलते ही बड़वारा पुलिस की टीम दल-बल के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस ने ग्रामीणों को शांत कराकर रास्ता खुलवाने का प्रयास किया। पुलिस द्वारा बोलेरो में मिली धान की बोरियों को जब्त कर जांच की जा रही है। फरार बोलेरो सवारों की तलाश जारी है। मामला पूरी तरह संदिग्ध है और जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी कि यह सरकारी धान कहां से आई और कहां ले जाई जा रही थी।

गैस गोदाम से 44 नग भरे हुए सिलेंडर चोरी,

कटनी। कुठला थाना अंतर्गत बिलहरी स्थित गैस गोदाम में चोरी की एक बड़ी वारदात सामने आई है। अज्ञात चोरों ने गोदाम का ताला तोड़कर वहां रखे गैस सिलेंडर पार कर दिए हैं। पुलिस ने मामले की विवेचना शुरू कर दी है। फ़ायतकर्ता अनुज कुमार वर्मन 36 वर्ष निवासी ताम्रकार मोहल्ला बिलहरी ने पुलिस को बताया कि चोरी की यह घटना 17 एवं 18 जनवरी की रात हुई। सुबह जब गोदाम खोला गया तब चोरी का पता चला। चोरों ने गोदाम से कुल 44 नग भरे हुए गैस सिलेंडर चोरी किए हैं। पुलिस के अनुसार, चोरी गए इन सिलेंडरों की कुल अनुमानित कीमत लगभग 93,000 रुपये बताई जा रही है। आशंका जताई जा रही है कि सिलेंडर ले जाने के लिए किसी बड़े वाहन का उपयोग किया गया होगा। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ BNS की धारा 331(4) और 305(A) के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है।

ओवर ब्रिज पर हुए हादसा में घायल युवक की मौत

कटनी। मिशन चौक ओवरब्रिज के बरगवां एंड पर बीती रात सड़क हादसे में युवक की मौत हो गई। तेज रफ्तार से दौड़ रही कार क्रमांक एमपी 21 सीए 2261 ने बाइक सवार युवक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में पुरानी बस्ती निवासी भानु सोनी की मौके पर ही गंभीर हालत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार की टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि युवक की बाइक पूरी तरह चकनाचूर हो गई और भानु सोनी के सिर में गंभीर चोट आई। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों को हादसे की जानकारी दी। सूचना मिलते ही परिजन भी घटनास्थल पर पहुंच गए। गंभीर रूप से घायल युवक को तत्काल एम्बुलेंस के माध्यम से जिला चिकित्सालय कटनी लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाजुक देखते हुए उसे जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। वहां उपचार के दौरान देर रात करीब 2 बजे भानु सोनी ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

लंबित पेंशन प्रकरणों का करें निराकरण

कटनी। कलेक्टर आशीष तिवारी की अध्यक्षता में समय सीमा बैठक आयोजित की गई जिसमें लंबित पेंशन प्रकरणों की समीक्षा के दौरान जिला पेंशन अधिकारी द्वारा बताया गया कि बीईओ ढीमरखेड़ा के पास 6 पेंशन प्रकरण लंबित पड़े हुये हैं। जिस पर कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी और बीईओ ढीमरखेड़ा को लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिये। साथ ही उन्होंने सभी जिला अधिकारियों को समय-समय पर अपने विभाग में सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के पेंशन प्रकरणों का निराकरण करने के निर्देश दिये।

सुरक्षा में सोहागपुर एरिया का स्वर्णिम अध्याय: खान सुरक्षा पखवाड़ा–2025 में 12 शील्ड जीतकर रचा कीर्तिमान

खान सुरक्षा महानिदेशालय एवं एसईसीएल प्रबंधन की मौजूदगी में सम्मान, सभी खदानों के उत्कृष्ट सुरक्षा मानकों को मिली मान्यता

एसईसीएल बैकुंठपुर क्षेत्र में आयोजित वार्षिक कोयला खान सुरक्षा पखवाड़ा–2025 का समापन-सह-पुरस्कार वितरण समारोह 18 जनवरी 2026 को गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। समारोह में खान सुरक्षा महानिदेशालय (डीजीएमएस) के महानिदेशक श्री उज्ज्वल ता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

धनपुरी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता एसईसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक ने की, जबकि खान सुरक्षा महानिदेशालय, पश्चिमी अंचल के उप-महानिदेशक श्री रामावतार मीना विशिष्ट अतिथि रहे।इस अवसर पर एसईसीएल सोहागपुर एरिया ने खान सुरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कुल 12 शील्ड/पुरस्कार अपने नाम किए। यह उपलब्धि क्षेत्र की सुदृढ़ सुरक्षा संस्कृति, अनुशासित कार्यप्रणाली एवं सामूहिक प्रयासों का स्पष्ट प्रमाण है।नेतृत्व और सतत निरीक्षण से मिली सफलता।सोहागपुर एरिया के महाप्रबंधक श्री बी.के. जेना के मार्गदर्शन में सभी भूमिगत एवं खुली खदानों में सुरक्षा व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण एवं मूल्यांकन किया गया। इस दौरान भू-स्तर नियंत्रण, वातायन व्यवस्था, कोयला धूल नियंत्रण, परिवहन व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, विस्फोटक प्रबंधन, सुरक्षा प्रबंधन योजना तथा निकट-दुर्घटना रिपोर्टिंग प्रणाली जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विशेष ध्यान दिया गया।खान सुरक्षा महानिदेशालय की टीम द्वारा निर्धारित मानकों पर खरा उतरने वाली खदानों को शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया।खदानवार सराहनीय उपलब्धियांखैरहा भूमिगत खदान को,भू-स्तर निगरानी में प्रथम पुरस्कार,कोयला धूल नियंत्रण एवं उपचार में प्रथम पुरस्कार,निकट-दुर्घटना अभिलेख संधारण में तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।राजेन्द्रा भूमिगत खदान को,परिवहन व्यवस्था में प्रथम पुरस्कार,सुरक्षा प्रबंधन योजना में द्वितीय पुरस्कार,समूह-बी में समग्र सुरक्षा प्रदर्शन हेतु द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।रामपुर बटुरा खुली खदान (ओसीएम) ने विस्फोटक प्रबंधन तथाकोयला धूल नियंत्रण,श्रेणी में दो प्रथम पुरस्कार जीतकर उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की।बंगवार भूमिगत खदान को,प्रकाश व्यवस्था एवं,सामग्री परिवहन प्रणाली,में दो महत्वपूर्ण पुरस्कार प्राप्त हुए।दामिनी भूमिगत खदान ने,सामान्य सुरक्षा जागरूकता तथाभू-स्तर नियंत्रण,श्रेणी में द्वितीय पुरस्कार हासिल किया।इन अधिकारियों व कर्मचारियों का रहा महत्वपूर्ण योगदानइस उपलब्धि में बंगवार-दामिनी उपक्षेत्र के क्षेत्रीय प्रबंधक श्री संजय कुमार सिंह, बंगवार खान प्रबंधक श्री डी.के. कुर्रे, दामिनी भूमिगत खदान के खान प्रबंधक श्री राजेश खंमरिया, राजेन्द्रा-खैरहा भूमिगत खदानों के उप-क्षेत्रीय प्रबंधक श्री बी. हरी बाबू, राजेन्द्रा खान प्रबंधक श्री बी. बालकृष्णा, खैरहा खान प्रबंधक श्री मंसाराम भंडारी, रामपुर बटुरा ओसीएम के उप-क्षेत्रीय प्रबंधक श्री संदीप शर्मा, श्री पी. अर्जुन सहित सुरक्षा से जुड़े सभी अधिकारी, पर्यवेक्षक एवं कर्मचारियों का सराहनीय योगदान रहा।सुरक्षा शपथ के साथ पखवाड़े का समापनखान सुरक्षा पखवाड़ा के दौरान एसईसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक द्वारा अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सुरक्षा की शपथ दिलाई गई। शपथ में सुरक्षित कार्य पद्धति अपनाने, नियमों के पूर्ण पालन तथा शून्य दुर्घटना लक्ष्य को आत्मसात करने का संकल्प लिया गया।खान सुरक्षा पखवाड़ा–2025 में सोहागपुर एरिया द्वारा अर्जित 12 शील्ड यह दर्शाती हैं कि सुनियोजित नेतृत्व, तकनीकी सतर्कता और श्रमिकों की सहभागिता से खनन जैसे चुनौतीपूर्ण क्षेत्र में भी उच्चतम सुरक्षा मानक स्थापित किए जा सकते हैं।

24 जनवरी को विशाल हिंदू सम्मेलन का आयोजन

श्रीराम जानकी मंदिर से निकली भव्य कलश यात्रा

बुढार।

संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर मंगलवार को श्रीराम जानकी मंदिर से भव्य कलश यात्रा नगर में निकली गई। भव्य समागम के अवसर पर आगामी 24 जनवरी को तहसील के समीप हिंदू शेरनी, ओजस्वी वक्ता एवं सनातन धर्म की प्रखर प्रवक्ता साध्वी सरस्वती दीदी का पावन सान्निध्य एवं उद्बोधन भी प्राप्त होगा, जो हम सभी के लिए गर्व एवं प्रेरणा का विषय होगा।

कलश यात्रा में जैतपुर विधायक जयसिंह मरावी, पुष्पेंद्र ताम्रकार रविकांत चौरासिया,नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सरावगी,दौलल मनमानी, शैलेन्द्र सराफ दीपक शर्मा,भाग चंद्र सोनी, मंडल अध्यक्ष अर्जून सोनी सहित भारी संख्या में मातृशक्ति कलश यात्रा में ध्वज लिये चल रहे थे। श्री राम जानकी मंदिर, नारायण सरोवर, से प्रारंभ होकर रेल्वे मार्केट, टाकीज़ मार्ग, बनियान टोला होते हुए श्री दुर्गा मंदिर, बरियान टोला, में कलश यात्रा का समापन हुआ।

नगर के हिंदू एकजूटता का परिचय देते हुए कलश यात्रा एवं सम्मेलन सनातन संस्कृति, सामाजिक समरसता और हिंदू एकजुटता का सशक्त संदेश देने हेतु 24 जनवरी को विशाल हिंदू सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। आपकी सक्रिय सहभागिता से यह आयोजन और अधिक हिंदू एकता, राष्ट्र शक्ति है। संस्कृति रक्षा, देश भक्ति है। विश्व की धरोहर हिन्दू संस्कृति हमारी शान है।हिन्दुस्थान हमारी पहचान और सनातन हमारा प्राण है! समस्त नगर एवं क्षेत्र के सभी जाति-वर्ग,समाज, पंथ एवं संप्रदाय के श्रद्धालु बंधुओं-भगिनियों से सादर आग्रह है कि वे इस ऐतिहासिक एवं गौरवपूर्ण क्षण के साक्षी बनें।कलश यात्रा में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए नगर निरीक्षक विनय सिंह गहरवार की टीम तैनात रही।

संकल्प महाविद्यालय, अनूपपुर में खेल प्रतियोगिता का सफल समापन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। संकल्प महाविद्यालय अनूपपुर में आयोजित वार्षिक खेल प्रतियोगिता का आयोजन अत्यंत सफल, सुव्यवस्थित एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। यह आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, खेल भावना एवं अनुशासन को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक सराहनीय पहल सिद्ध हुआ। खेल प्रतियोगिता के प्रथम दिवस का आयोजन मुख्य अतिथि अनूपपुर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ मरकाम की उपस्थिति में किया गया। अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में उन्होंने विद्यार्थियों को खेलों के शारीरिक, मानसिक एवं नैतिक लाभों से अवगत कराते हुए अनुशासन, निरंतर अभ्यास एवं आत्मविश्वास के साथ जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर महाविद्यालय संचालक ने भी भावपूर्ण संबोधन में कहा कि खेल विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, टीम भावना एवं सकारात्मक सोच का विकास करते हैं तथा जीवन को सही दिशा प्रदान करते हैं। प्रथम दिवस पर विद्यार्थियों द्वारा कबड्डी, रस्साकशी, ऊँची कूद, पोटैटो रेस एवं दौड़ जैसी अनेक रोमांचक प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक सहभागिता की गई। आयोजन के दौरान समस्त स्टाफ की सक्रिय उपस्थिति रही तथा खिलाड़ियों के लिए आवश्यक खेल सामग्री एवं प्राथमिक उपचार की समुचित व्यवस्था की गई। खेल प्रतियोगिता के द्वितीय दिवस में भी विद्यार्थियों का उत्साह देखते ही बनता था। इस दिन खो-खो, चेयर रेस, शतरंज (चेस) सहित अन्य खेल प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं जिनमें विद्यार्थियों ने पूरे जोश, अनुशासन एवं खेल भावना के साथ भाग लिया। दोनों दिनों तक चले इस खेल आयोजन ने महाविद्यालय परिसर को ऊर्जा, उमंग एवं सकारात्मक प्रतिस्पर्धा से भर दिया और प्रतियोगिता का सफल एवं गरिमामय समापन हुआ। इस संपूर्ण आयोजन में महाविद्यालय के समस्त स्टाफ सदस्यों की सराहनीय उपस्थिति रही, जिनमें अंकिता शुक्ला, डॉ. प्रकाश बारी, निशा सिंह, नितिन मिश्रा, राजेश पटेल, निशा राठौड़, रोशनी सेन, गायत्री सिंह, सुप्रिया चौधरी, आसन, संध्या चौधरी, रिया, शशि, डॉ. मिथिलेश, आनंद लक्ष्मी, कीर्ति, रुही, कमलेश की विशेष सहभागिता रही। यह खेल प्रतियोगिता विद्यार्थियों के लिए केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं रही बल्कि उनमें अनुशासन, आत्मविश्वास, सहयोग एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को सुदृढ़ करने वाला एक प्रेरणादायी एवं स्मरणीय अनुभव भी सिद्ध हुई।

अमरकंटक में छाए घने बादल, तापमान में बढ़ोतरी से ठंड से मिली राहत

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

मध्य प्रदेश के प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक तीर्थ स्थल पवित्र नगरी अमरकंटक में आज पश्चिमी विक्षोभ एवं समुद्री तूफान के प्रभाव के चलते मौसम का मिजाज बदला हुआ नजर आया। दिनभर साफ नीले आसमान पर घने काले बादल छाए रहे और सूर्य देव बादलों के बीच लुका-छिपी करते दिखाई दिए। गत एक पखवाड़े से अमरकंटक में कड़ाके की ठंड और शीतलहर का प्रकोप बना हुआ था। तापमान कई दिनों तक शून्य के करीब पहुंच गया था, जिससे जनजीवन खासा प्रभावित रहा। हालांकि विगत दो दिनों से बादलों की घेराबंदी के कारण ठंड में अचानक कमी दर्ज की गई है और तापमान में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। मौसम विभागीय आंकड़ों के अनुसार वर्तमान में अमरकंटक का अधिकतम तापमान 22 से 24 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 8 से 10 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज किया जा रहा है। दिन के समय तापमान बढ़ने से लोगों को हल्की गर्मी और चुभन का अनुभव हो रहा है। बीते दो दिनों से तापमान में आए उछाल के चलते भीषण ठंड से लोगों को कुछ राहत जरूर मिली है। आज पूरे दिन आसमान में गहरे काले बादल छाए रहे और धूप व बादलों के बीच लगातार लुकाछिपी का दौर चलता रहा। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि बादल छंटते हैं तो एक बार फिर ठंड बढ़ सकती है, वहीं यदि बादल दो-तीन दिन और टिके रहते हैं तो हल्की वर्षा की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता। समीपी ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों का मानना है कि यदि बारिश होती है तो फसलों को लाभ मिलेगा, हालांकि वर्षा की संभावना फिलहाल कम ही बताई जा रही है।

नर्मदा जल प्रदूषण दर्शाने वाला एलसीडी दो माह से बंद, निगरानी व्यवस्था पर उठे सवाल

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

मध्य प्रदेश के प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक तीर्थ स्थल पवित्र नगरी अमरकंटक में मां नर्मदा के जल की गुणवत्ता और प्रदूषण स्तर बताने वाला एलसीडी डिस्प्ले विगत लगभग दो से तीन माह से बंद पड़ा हुआ है। यह एलसीडी संयंत्र मध्य प्रदेश प्रदूषण निवारण मंडल, शहडोल द्वारा नर्मदा उद्गम स्थल मंदिर के सामने स्थापित किया गया था, जिसका उद्देश्य श्रद्धालुओं एवं आमजन को नर्मदा जल की शुद्धता एवं प्रदूषण स्तर की जानकारी उपलब्ध कराना था। एलसीडी बंद होने के कारण वर्तमान में यह जानकारी नहीं मिल पा रही है कि नर्मदा जल कितना शुद्ध है अथवा कितना प्रदूषित, जिससे श्रद्धालुओं एवं पर्यावरण प्रेमियों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। हैरानी की बात यह है कि संबंधित विभाग द्वारा अब तक न तो इस तकनीकी समस्या के समाधान हेतु कोई ठोस पहल की गई है और न ही मरम्मत की दिशा में कोई कार्रवाई दिखाई दे रही है। स्थानीय नगर परिषद अमरकंटक भी इस विषय से अनजान बनी हुई है। जबकि जानकारी के अनुसार नर्मदा नदी के कपिल संगम क्षेत्र में स्थापित प्रदूषण मापी संयंत्र कार्यरत है या नहीं, इसकी भी कोई स्पष्ट जानकारी उपलब्ध नहीं है। यदि संयंत्र कार्य कर रहा है, तो उसके आंकड़ों का एलसीडी पर प्रदर्शन न होना विभागीय लापरवाही को दर्शाता है। यह भी उल्लेखनीय है कि नर्मदा उद्गम स्थल मंदिर एवं परिसर की गतिविधियों की निगरानी तथा श्रद्धालुओं को दर्शन, पूजन एवं आरती के दृश्य दिखाने के उद्देश्य से ठीक बगल में एक अन्य एलसीडी स्क्रीन भी लगाई गई थी, जो विगत माह आई आंधी-तूफान में गिरकर क्षतिग्रस्त हो गई। वर्तमान में वह एलसीडी किस स्थिति में है और उसकी मरम्मत कब होगी, इस संबंध में भी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। शासन-प्रशासन द्वारा लाखों रुपये की लागत से लगाए गए इन एलसीडी संयंत्रों का उचित रखरखाव एवं समय पर सुधार न होना, प्रशासनिक उदासीनता को उजागर करता है। इससे न केवल पर्यावरण निगरानी व्यवस्था प्रभावित हो रही है, बल्कि शासन की मंशा पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। अब देखना यह है कि मध्य प्रदेश प्रदूषण निवारण मंडल एवं संबंधित प्रशासन इस गंभीर विषय पर कब संज्ञान लेता है और नर्मदा जल की पवित्रता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक कदम उठाता है।

बिचुआ में क्रिकेट टूर्नामेंट शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

ग्राम पंचायत बिचुआ में प्रतिवर्ष की तरह इस साल भी स्वर्गीय पंडित रामाधार तिवारी स्टेडियम में क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। यह टूर्नामेंट 18 जनवरी से शुरू हो रहा है, जिसमें जिले भर से लगभग 16 टीमें उत्साह के साथ हिस्सा ले रही हैं। टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने के लिए जिला पंचायत उपाध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा भी पहुंचे। उन्होंने खिलाड़ियों का हौसला अफजाई करते हुए कहा कि क्रिकेट के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाएं आगे बढक़र कटनी का नाम पूरे प्रदेश में रोशन करें। खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने में हर तरह का सहयोग किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह टूर्नामेंट न केवल खेल का उत्सव है, बल्कि युवाओं में खेल भावना को बढ़ावा देने और उन्हें मंच प्रदान करने का एक शानदार प्रयास भी है।

खबर संक्षेप

भगवा पार्टी ने ओरिएंट पेपर मिल व सोडा फैक्ट्री में स्थानीय युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता की उठाई मांग

अनूपपुर। शहडोल अनूपपुर सीमा पर स्थित प्रमुख उद्योग ओरिएंट पेपर मिल एवं सोडा फैक्ट्री में स्थानीय बेरोजगार युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता दिए जाने की मांग को लेकर भारतीय गण वार्ता पार्टी (भगवा पार्टी) ने मिल प्रबंधन को ज्ञापन सौंपा है। भगवा पार्टी के जिला महासचिव वरुण चटर्जी ने बताया कि ओरिएंट पेपर मिल की स्थापना के दौरान क्षेत्र के कई स्थानीय परिवारों की भूमि अधिग्रहित की गई थी। उस समय औद्योगिक विकास के साथ रोजगार उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया था। शुरुआती दौर में कुछ स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिला, लेकिन जिन परिवारों की आजीविका पीढ़ियों से कृषि पर आधारित थी, उनकी जमीन जाने के बाद रोजगार केवल एक पीढ़ी तक ही सीमित रह गया। उन्होंने कहा कि किसी भी आपदा, जैसे गैस रिसाव या प्रदूषण की स्थिति में, उसका सीधा असर स्थानीय लोगों को ही झेलना पड़ता है। ज्ञापन पत्र में उल्लेख किया गया कि वर्तमान में बड़ी संख्या में योग्य और सक्षम स्थानीय युवा बेरोजगार हैं, जबकि उद्योग में बाहरी क्षेत्रों से आए लोगों को रोजगार दिया जा रहा है। इससे स्थानीय युवाओं में असंतोष और उपेक्षा की भावना लगातार बढ़ रही है। भगवा पार्टी का कहना है कि यदि स्थानीय बेरोजगार युवाओं को उनकी योग्यता और अनुभव के अनुरूप रोजगार के अवसर दिए जाते हैं, तो इससे सामाजिक संतुलन मजबूत होगा और उद्योग तथा स्थानीय समाज के बीच विश्वास भी बढ़ेगा। पार्टी ने मांग की है कि उद्योग के आसपास निवासरत बरगवां अमलाई नगर परिषद एवं बकही क्षेत्र के स्थानीय निवासियों, विशेषकर बेरोजगार युवाओं, को उपलब्ध पदों पर प्राथमिकता के आधार पर रोजगार दिया जाए। साथ ही उम्मीद जताई गई है कि मिल प्रबंधन जनहित, स्थानीय अपेक्षाओं और सामाजिक दायित्व को ध्यान में रखते हुए सकारात्मक निर्णय लेगा।

अमरकंटक में नर्मदा महोत्सव को दृष्टिगत रखते हुए विशेष स्वच्छता अभियान जारी

अमरकंटक। मां नर्मदा जी की उद्गम स्थली/ पवित्र नगरी अमरकंटक में नर्मदा महोत्सव 24 एवं 25 जनवरी 2026 को दृष्टिगत रखते हुए नगर परिषद अमरकंटक द्वारा विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। नगर परिषद के मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) चैन सिंह परस्ते के निर्देशानुसार निकाय के कर्मचारियों द्वारा श्रमदान कर नगर की व्यापक सफाई की जा रही है। इस अभियान के अंतर्गत विशेष रूप से रामघाट क्षेत्र, कोटितीर्थ, माई बगिया, सोनमूड़ा, कपिलधारा क्षेत्र सहित प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों पर सफाई कार्य किया जा रहा है। नगर परिषद के कर्मचारियों ने श्रमदान कर कचरा हटाया एवं स्वच्छता बनाए रखने का संदेश दिया। नगर परिषद द्वारा नर्मदा महोत्सव के दौरान नगर को स्वच्छ, सुंदर एवं आकर्षक बनाने के उद्देश्य से स्वच्छता मुहिम पर विशेष जोर दिया जा रहा है ताकि श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

जमुना कॉलरी के खिलाड़ियों का तीखा विरोध

जिला स्तरीय 'खेलो एमपी यूथ गेम्स' पर गंभीर

वीडियो में पुलिस बुलाकर धमकाते दिखे बादल राय, नामजद कार्रवाई की मांग

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना। जिला स्तरीय खेलो एमपी यूथ गेम्स के आयोजन के दौरान नियमों के उल्लंघन, बाहरी खिलाड़ियों को अनुचित रूप से शामिल करने और स्थानीय खिलाड़ियों के साथ दुर्व्यवहार के गंभीर आरोप सामने आए हैं कोयलांचल क्षेत्र की जमुना कॉलरी से आए युवा खिलाड़ियों ने पूरे घटनाक्रम को लेकर कड़ा विरोध दर्ज कराया है खिलाड़ियों का आरोप है कि जिला स्तरीय प्रतियोगिता होने के बावजूद दूसरे जिलों, विशेषकर जबलपुर से खिलाड़ियों को बुलाकर खिलाया गया, जिससे स्थानीय प्रतिभाओं के साथ सीधा अन्याय हुआ। खिलाड़ियों के अनुसार प्रतियोगिता पुलिस ग्राउंड अनूपपुर में आयोजित की गई थी नियमों पर सवाल उठाने पर आयोजक पक्ष से जुड़े बादल राय द्वारा गाली-गलौज, मारपीट और धमकी दी गई खिलाड़ियों ने वीडियो साक्ष्य भी प्रस्तुत किए हैं, जिनमें कथित रूप से पुलिस बुलाकर बच्चों को डराने की धमकी देते हुए बादल राय नजर आ रहे हैं।

अविनाश चौधरी खिलाड़ी

"हम लोग जमुना कॉलरी से जिला स्तरीय खेलो एमपी यूथ गेम्स खेलने के लिए अनूपपुर गए थे वहां देखा कि हमारे जिले के खिलाड़ियों को प्राथमिकता देने के बजाय जबलपुर सहित दूसरे जिलों से खिलाड़ियों को बुलाकर खिलाया जा रहा है जब हमने नियमों के अनुसार इसका विरोध किया तो बादल राय ने हमसे कहा कि 'हमें जो करना है हम करेंगे, तुम्हें जहां शिकायत करना है कर दो, हमारा कुछ नहीं बिगड़ने वाला' इसके बाद हमारे साथ गाली-गलौज की गई और हाथापाई भी हुई हमारे साथ गलत व्यवहार किया गया, जिससे हम सभी खिलाड़ी मानसिक रूप से परेशान हो गए।

धीरज यादव खिलाड़ी

"जिला स्तरीय प्रतियोगिता में नियम साफ है कि जिस जिले की प्रतियोगिता हो, उसी जिले के खिलाड़ी उसमें भाग लेंगे इसके बावजूद बाहर के जिलों से खिलाड़ी बुलाकर खिलाए जा रहे थे जब हमने इसका विरोध किया तो बादल राय ने हमें धमकाते हुए कहा कि 'तुम्हारी जिंदगी खराब कर देंगे' और मां-बहन की गालियां दी गईं हमारे पास इस पूरे घटनाक्रम के वीडियो मौजूद हैं साथ ही जो खिलाड़ी बाहर से बुलाए गए थे, उनके दस्तावेज भी हमारे पास हैं इसके बावजूद हमारी कोई सुनवाई नहीं की गई।

आदर्श कुमार खिलाड़ी

"जब हमारा खेल चल रहा था, उसी दौरान हमसे अधिक उम्र के लोग प्रतियोगिता में खेलते नजर आए हमने उनसे उम्र और निवास से संबंधित दस्तावेज मांगे, लेकिन उनके कागजात की जांच नहीं की गई हम अपना पूरा डॉक्यूमेंट पहले से तैयार करके ले गए थे जब हमने निष्पक्ष जांच की मांग की तो बादल राय ने हमारे साथ गाली-गलौज की और मारपीट पर उतारू हो गए इतना ही नहीं, हमारे द्वारा दिए गए वीडियो में साफ दिख रहा है कि वे पुलिस बुलाकर हमें धमकाने की बात कह रहे हैं हम चाहते हैं कि ऐसे व्यक्ति को वहां से हटाया जाए और साक्ष्यों के आधार पर सख्त कार्रवाई हो।

कार्रवाई की मांग

सभी खिलाड़ियों ने एक स्वर में मांग की है कि प्रस्तुत वीडियो साक्ष्यों के आधार पर बादल राय के खिलाफ नामजद मामला दर्ज किया जाए, पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच हो और दोषियों पर कठोर कार्रवाई की जाए खिलाड़ियों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो जिले की उभरती खेल प्रतिभाओं का मनोबल टूटेगा और खेलों के प्रति युवाओं का विश्वास डगमगा जाएगा। खिलाड़ियों ने प्रशासन से यह भी आग्रह किया है कि भविष्य में जिला स्तरीय खेल आयोजनों में पारदर्शिता, आयु एवं निवास सत्यापन तथा निष्पक्ष चयन प्रक्रिया को सख्ती से लागू किया जाए, ताकि स्थानीय खिलाड़ियों के साथ न्याय हो सके।

एसपी के निर्देश पर फिंगरप्रिंट, डॉग स्क्वॉड व एफएसएल टीम जांच में जुटी

बदरा में सूने घर से करोड़ों की चोरी, अहम फाइलें भी ले उड़े चोर

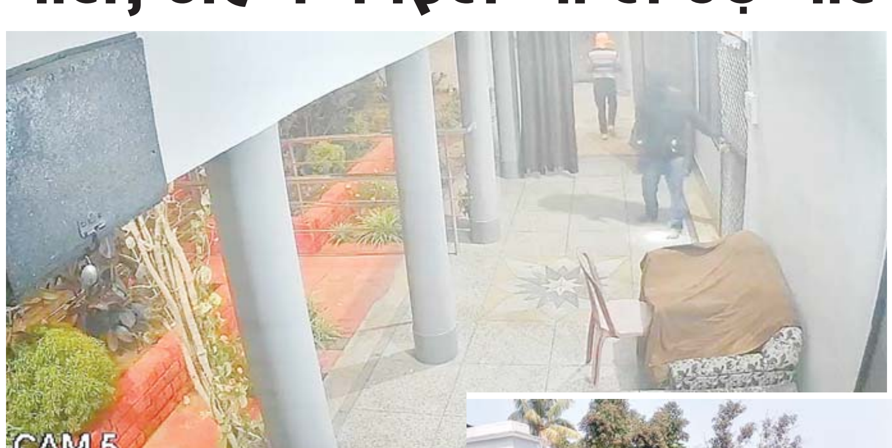

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना। बदरा क्षेत्र में चोरी की एक बड़ी वारदात सामने आई है बदरा स्थित संग्राम सिंह पिता स्व. एम.एन. सिंह के सूने घर को चोरों ने निशाना बनाते हुए करीब एक करोड़ रुपये मूल्य की ज्वेलरी, नकदी सहित कई अहम फाइलें चोरी कर लीं खासतौर पर फाइलों की चोरी को पुलिस बेहद संदिग्ध मान रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पूरे जिले की पुलिस अलर्ट मोड में आ गई है और हर पहलू से जांच की जा रही है।

पड़ोसी के न रुक पाने से सूना रह गया घर, सीसीटीवी में कैद वारदात

बताया जाता है कि संग्राम सिंह ने बाहर जाने से पहले अपने पड़ोसी शिवपूजन गुप्ता से घर में रुकने का अनुरोध किया था लेकिन शिवपूजन गुप्ता की पत्नी की तबीयत जैतहरी में अचानक खराब हो जाने के कारण वह उस रात घर पर नहीं रुक सके और किसी को सूचना भी नहीं दे पाए इसी दौरान चोरों ने वारदात को अंजाम दे दिया। सीसीटीवी फुटेज के अनुसार, रात करीब 2 बजे एक सफेद रंग की सात-सीटर कार से तीन लोग घर में प्रवेश करते दिखाई देते हैं और लगभग 2:37 बजे सामान बोरे/झोले में भरकर मौके से रवाना हो जाते हैं यह पूरी गतिविधि कैमरे में कैद बताई जा रही है। पुलिस अधीक्षक मोतिउर रहमान ने प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए मौके पर फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट, डॉग स्क्वॉड और एफएसएल टीम को भेजा है। घटनास्थल पर तकनीकी जांच के साथ साक्ष्य एकत्र किए जा रहे हैं। पुलिस आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज, संदिग्ध गतिविधियों और अन्य तकनीकी साक्ष्यों को खंगाल रही है। वहीं, पीड़ित संग्राम सिंह ने कहा कि उन्हें जिले के कप्तान पर पूरा भरोसा है और जल्द ही इस मामले का खुलासा होगा तथा चोर पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

इनका कहना है

मौके पर फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट, डॉग स्क्वॉड और एफएसएल की टीम पहुंच चुकी है इसके अलावा रात के समय उस इलाके में कौन-कौन से मोबाइल नंबर सक्रिय थे, उनकी भी जांच की जा रही है जो भी टीमें आई हैं, उनके साथ स्वयं मौके पर मौजूद हूं जल्द ही मामले से पर्दा उठेगा।

विपुल शुक्ला
थाना प्रभारी, भालूमाडा

कन्या शिक्षा परिसर पुष्पराजगढ़ में लापरवाह प्रशासन के खिलाफ आदिवासी संगठनों का फूटा गुस्सा

संवेदनहीन अधीक्षक के निलंबन की मांग

हरिभूमि न्यूज, राजेंद्रग्राम। मध्यप्रदेश शासन द्वारा आदिवासी अंचल की बेटियों की सुरक्षित शिक्षा के उद्देश्य से स्थापित शासकीय कन्या शिक्षा परिसर पुष्पराजगढ़ आज खुद असुरक्षा का प्रतीक बनता जा रहा है। लगातार नाबालिग आदिवासी छात्राओं के लापता होने की घटनाओं ने न सिर्फ परिसर प्रशासन की पोल खोल दी है, बल्कि अब यह मामला सामाजिक और राजनीतिक दबाव का रूप भी लेने लगा है। ताजा घटनाक्रम में आदिवासी संगठनों ने खुलकर प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। पुष्पराजगढ़ विकासखंड का एकमात्र शासकीय कन्या शिक्षा परिसर जो आदिवासी बालिकाओं के सर्वांगीण विकास का सपना लेकर शुरू किया गया था, आज प्रशासनिक लापरवाही और संवेदनहीनता का उदाहरण बन चुका है। शासन के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद छात्रवास अधीक्षिका बसंता मरावी का परिसर में निवास न करना गंभीर सवाल खड़े करता है। जिस स्थान पर अनुशासन और सुरक्षा सर्वोपरि होनी चाहिए थी, वहीं से नाबालिग छात्राओं का लापता होना सिस्टम की बड़ी नाकामी को उजागर करता है। मामले की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अनुविभागीय दंडाधिकारी पुष्पराजगढ़ वसीम अहमद भट्ट को भी छात्राओं के लापता होने की कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई। यह प्रशासनिक समन्वय की पूर्ण विफलता को दर्शाता है। सवाल यह है कि जब एसडीएम तक को सूचना नहीं, तो निगरानी आखिर किसके भरोसे चल रही है? मामले ने नया मोड़ तब लिया जब जय आदिवासी युवा शक्ति संगठन (जयस) के प्रदेश अध्यक्ष इंद्रपाल मरकाम और मध्यप्रदेश आदिवासी छात्र संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. रोहित मरावी ने विकासखंड शिक्षा अधिकारी पुष्पराजगढ़ को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में साफ तौर पर कहा गया कि शासकीय कन्या शिक्षा परिसर से नाबालिग आदिवासी छात्राओं का लापता होना गंभीर प्रशासनिक विफलता का प्रमाण है। संगठनों ने आरोप लगाया कि अधीक्षक न तो छात्रावास में निवास करते हैं और न ही अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। इसके बावजूद अब तक कोई सख्त कार्रवाई नहीं होना दुर्भाग्यपूर्ण है। ज्ञापन में मांग की गई है कि परिसर के अधीक्षक को तत्काल निलंबित किया जाए, दोषियों पर सख्त विभागीय व कानूनी कार्रवाई हो और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदारी तय की जाए। चेतावनी भी दी गई कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो आदिवासी समाज आंदोलन के लिए बाध्य होगा। इस ज्ञापन की प्रतिलिपि सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग अनूपपुर, अनुविभागीय दंडाधिकारी पुष्पराजगढ़ को दिया गया है। लगातार हो रही घटनाएं, कमजोर सूचना तंत्र और अब आदिवासी संगठनों का आक्रोश यह साफ संकेत दे रहा है कि मामला केवल लापरवाही तक सीमित नहीं रहा है। अब सवाल यह है कि क्या प्रशासन वास्तव में आदिवासी बेटियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर है, या फिर यह मुद्दा भी फाइलों में दबकर रह जाएगा? आदिवासी संगठनों ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी इसी संवेदनहीन सिस्टम पर होगी।

फालोअप

मनरेगा की खुली लूट, जमुडी-बैरीबांध में मशीनों का कहर

सरपंच-सचिव की मिलीभगत से जारी है बंदरबांट का खेल

अनूपपुर। ग्राम पंचायत जमुडी के अंतर्गत ग्राम बैरीबांध में चल रहा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) का नवीन तालाब निर्माण कार्य अब विकास नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार, मशीनराज और बंदरबांट का प्रतीक बनता जा रहा है। जिस योजना का उद्देश्य गरीब ग्रामीणों को रोजगार देना है, उसी योजना में मजदूरों को किनारे कर मशीनें दौड़ाई जा रही हैं, और पूरा सिस्टम मौन साधे बैठा है। सूत्रों के अनुसार तालाब निर्माण की स्वीकृत राशि लगभग 13 लाख रुपये है, जबकि एस्टीमेट करीब 12 लाख रुपये का तैयार किया गया। नियम स्पष्ट हैं, मनरेगा में कार्य श्रम-प्रधान होंगे। इसके बावजूद जेसीबी जैसी भारी मशीनों के इस्तेमाल के आरोपों ने साफ कर दिया है कि यहां कागजों में रोजगार और जमीन पर मशीनों का खेल चल रहा है। मजदूरों के हाथ खाली हैं और मशीनें सरकारी पैसों से मिट्टी उड़ा रही हैं। पूरा कार्य सरपंच और सचिव के अधीन बताया जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि मिल-बांटकर बंदरबांट की जा रही है, काम मशीनें करें, नाम मजदूरों का चढ़े और भुगतान का रास्ता अलग निकले। सवाल यह है कि मस्टर रोल में दर्ज मजदूर वास्तव में काम पर थे या नहीं? यदि थे तो मशीनें क्यों चलीं, और यदि नहीं थे तो राशि आखिर गई कहां?

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि एक तरफ सरकार भ्रष्टाचार पर लगाम कसने के लिए नई-नई व्यवस्थाएं और सख्त कानून ला रही है, वहीं जमीनी स्तर पर उसी सरकार की योजनाओं को खुली चुनौती दी जा रही है। सरकार द्वारा व्हीबी-जी रैम जी बिल जैसे कदम इसलिए लाए गए, ताकि योजनाओं में पारदर्शिता आए और भ्रष्टाचार रुके। लेकिन जमुडी-बैरीबांध का यह मामला बताता है कि नीति दिल्ली में बनती है और लूट गांव में होती है। यह स्थिति न केवल चिंताजनक है, बल्कि पूरी व्यवस्था पर करारा तमाचा भी है। मनरेगा दिशानिर्देशों में मशीनों का उपयोग अपवाद है, नियम नहीं। इसके बावजूद यदि मशीनें चली हैं, तो यह खुला नियम उल्लंघन है। इससे मजदूरों के रोजगार दिवस घटे, भुगतान और मापन में हेराफेरी की आशंका बढ़ी, और कार्य की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए। सूचना पट, तकनीकी स्वीकृति (टीएस), कार्यादेश (डब्लूओ), माप पुस्तिका (एमबी), इन सबकी सच्चाई अब जांच की मांग कर रही है। अब सवाल जनपद और जिला प्रशासन तक जाता है। क्या सीईओ ने कभी मौके पर जाकर हकीकत देखी? क्या निरीक्षण सिर्फ फाइलों में सिमटकर रह गया? अगर सब कुछ नियमों के मुताबिक था, तो मशीनें किसके आदेश से चलीं? और अगर नियम टूटे, तो अब तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई? ग्रामीणों का गुस्सा उबाल पर है। उनका कहना है कि यह केवल एक तालाब नहीं, बल्कि गरीबों के हक़ की संगठित लूट है। मनरेगा को कमाई का जरिया बना दिया गया है। अगर समय रहते सख्त कार्रवाई नहीं हुई, तो यह संदेश जाएगा कि कानून कागजों के लिए हैं और योजनाएं लूट के लिए।

ग्रामीणों की मांग:

1. मामले की तत्काल उच्चस्तरीय जांच हो। 2. मस्टर रोल, एमबी और भुगतान विवरण सार्वजनिक किए जाएं। 3. मशीनों के उपयोग की पुष्टि होने पर सरपंच-सचिव सहित सभी जिम्मेदारों पर सख्त कार्रवाई और राशि की वसूली हो। 4. आगे का कार्य शत-प्रतिशत श्रम आधारित कराया जाए। अब फैसला प्रशासन के हाथ में है, मनरेगा मजदूरों के लिए है या बंदरबांट के लिए? अगर जवाब कार्रवाई में नहीं मिला, तो यह मामला पूरे सिस्टम को कटघरे में खड़ा कर देगा।

देश में अब बच्चे भी सुरक्षित नहीं, वर्दीधारी ने स्काउट छात्र को पीटा, पुलिसिया मानसिकता पर सवाल

एएसआई का कथन हमारी उम्र में अभद्र शब्दों का इस्तेमाल होता था

अनूपपुर। अनूपपुर की धरती से ऐसा शर्मनाक मामला सामने आया है, जिसने पूरे पुलिस सिस्टम के माथे पर सवालिया निशान लगा दिया है। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय की वही ग्राउंड जहाँ बच्चे देशभक्ति, अनुशासन और सेवा का पाठ सीखते हैं वहीं एक वर्दीधारी पुलिसकर्मी ने वर्दी को नशे, गाली और तमाचे से कलंकित कर दिया। कक्षा दसवीं के छात्र सागर यादव का कसूर सिर्फ इतना था कि वह स्काउट की ट्रेनिंग ले रहा था। आरोप है कि सहायक उप-निरीक्षक (एएसआई) परसादी लाल, नशे में, मुंह में गुटखा दबाए, शर्ट के बटन खुले हुए, ग्राउंड पर पहुंचा और छात्र का हाथ पकड़कर खींचा, फिर गले पर जोरदार तमाचा जड़ दिया। इतना ही नहीं वर्दी की आड़ में घटिया भाषा का इस्तेमाल किया, यह कथन अशोभनीय, अमर्यादित एवं दमनकारी मानसिकता को दर्शाता है। यह कोई बयान नहीं यह एक विकृत मानसिकता का खुला कबूलनामा है।

घटना के समय पूरी स्काउट टीम और कमांडर मौके पर मौजूद थे। यानी यह हमला किसी कोने में नहीं, खुले मैदान में, सबके सामने हुआ। सवाल यह है अगर आज एक छात्र पिटा, तो कल किसकी बारी? घटना के बाद जब पूरे मामले की वीडियो रिकॉर्डिंग चालू कर संबंधित पुलिसकर्मी से सवाल किए गए, तो सच्चाई और भी ज्यादा चौंकाने वाली सामने आई। पुलिसकर्मी ने कहा कि मेरे को नहीं मालूम मैंने ना मारा है ना हीं मुझे कुछ पता है सवालों का जवाब भी नहीं दिए और अपना नेम बैच निकाल कर अपने जेब में रख लिए और चले गए। स्काउट सीख रहे छात्र ने बताया कि पुलिसकर्मी मेरे पास आया मुझे पकडकर खींचा और गाल में जोर से तमाचा जड़ दिया साथ ही उसके साथी बताएं कि हमारे सामने ही पुलिसकर्मी ने मारा और सभी को ग्राउंड से बाहर भगा दिया। अब सवाल जो पुलिस के गाल पर तमाचे की तरह हैं क्या कैमरा देखते ही नेम बैच छिपा लेना जवाबदेही से भागना नहीं है? क्या शराब पीकर बच्चों को पीटना अब पुलिस की "अनऑफिशियल ड्यूटी" बन चुकी है? अगर कुछ नहीं किया, तो सवालों से भागने की ज़रूरत क्यों पड़ी? क्या यह मामला भी "आंतरिक जांच" की फाइलों में दफना दिया जाएगा? अगर यही हरकत किसी आम नागरिक ने की होती, तो क्या अब तक जेल नहीं हो जाती? यह खबर सिर्फ एक छात्र की नहीं है यह पूरे पुलिस सिस्टम की साख का इम्तिहान है। अगर इस मामले में तत्काल एफआईआर, निलंबन जैसी सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो यह माना जाएगा कि वर्दीधारी गुंडागर्दी को संरक्षण दिया जा रहा है। अब कार्रवाई हुई तो कानून ज़िंदा, नहीं हुई तो समझा जाएगा कि वर्दी सवालों से ऊपर है।